आकाशवाणी
क्षेत्रीय समाचार
देहरादून (उत्तराखण्ड)
शुक्रवार 18.04.2025
समय 1830

मुख्य समाचार :–

- प्रदेश के सभी सरकारी विद्यालयों की जानकारी एक ही स्थान पर होगी उपलब्ध, राज्यपाल ने किया 'स्कूल डेशबोर्ड' का लोकार्पण।
- कृषि मंत्री गणेश जोशी ने कहा– प्रदेश सरकार, पारंपरिक अनाजों और आधुनिक फलों की खेती को बढ़ावा दे रही है।
- केदारनाथ में यात्रा व्यवस्थाओं को अंतिम रूप देने के लिए बदरीनाथ–केदारनाथ मंदिर समिति का 18 सदस्यीय अग्रिम दल धाम के लिए रवाना।
- **और,** अल्मोड़ा जिले के रानीखेत स्थित गोविंद सिंह माहरा राजकीय चिकित्सालय में पहली बार स्त्री एवं प्रसूति रोग विशेषज्ञ की तैनाती की गई।

प्रवेशोत्सव–2025

राज्यपाल लेफ्टिनेंट जनरल गुरमीत सिंह ने देहरादून स्थित राजभवन में आज विद्यालयी शिक्षा विभाग द्वारा आयोजित प्रवेशोत्सव–2025 कार्यक्रम में हिस्सा लिया। उन्होंने स्कूलों में दाखिला लेने वाले बच्चों का स्वागत किया और उन्हें शिक्षण सामग्री वितरित की।

इस अवसर पर राज्यपाल ने वीर माधो सिंह भण्डारी उत्तराखण्ड तकनीकी विश्वविद्यालय द्वारा तैयार किए गए 'स्कूल डैशबोर्ड' का लोकार्पण किया। यह डैशबोर्ड राज्य के सभी सोलह हजार पचपन सरकारी विद्यालयों की जानकारी एक स्थान पर उपलब्ध कराएगा। इससे विद्यालयों के प्रधानाचार्य और डैशबोर्ड एडमिन को लॉग–इन के माध्यम से स्कूल संबंधी जानकारी देखने और जरूरत अनुसार संशोधन करने की सुविधा मिलेगी। राज्यपाल ने कहा कि स्कूल डैशबोर्ड उत्तराखण्ड की शिक्षा व्यवस्था में तकनीकी नवाचार का प्रतीक है और यह हर बच्चे को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा देने की दिशा में अहम भूमिका निभाएगा।
कार्यक्रम में नेताजी सुभाष चंद्र बोस आवासीय विद्यालयों के 13 केंद्रों को आर्थिक सहायता भी प्रदान की गई। राज्यपाल ने इन विद्यालयों को वंचित और कमजोर वर्ग के बच्चों के लिए एक महत्वपूर्ण पहल बताया और कहा कि इन छात्रावासों का उच्चीकरण कर इन्हें कक्षा 12वीं तक विस्तारित करना दूरदर्शी कदम है।

योजना

कृषि मंत्री गणेश जोशी ने कहा है कि उत्तराखंड सरकार ने पारंपरिक अनाजों और आधुनिक फलों की खेती को बढ़ावा देने की योजना बनाई है। इससे किसानों की आमदनी बढ़ेगी, स्वरोजगार के अवसर मिलेंगे और पलायन पर रोक लगेगी। कृषि मंत्री गणेश जोशी ने बताया कि यह योजना राज्य के ग्यारह पर्वतीय जिलों में लागू की जाएगी। एक
रिपोर्ट–

कृषि मंत्री ने कहा कि राज्य सरकार, बारहनाजा मिलेट्स और फल उत्पादन को प्रोत्साहन देगी। राज्य में मंडुवा, कौणी, झंगोरा जैसी फसलों को बढ़ावा देने के लिए 'उत्तराखंड स्टेट मिलेट्स पॉलिसी 2025–26' लागू की गई है। पहले चरण में 24 और दूसरे चरण में 44 विकासखंडों को इसमें शामिल किया गया है। कुल 70 हजार हेक्टेयर क्षेत्र में खेती का लक्ष्य है। इस योजना के तहत किसानों को बीज और जैव उर्वरक 80 प्रतिशत सब्सिडी पर मिलेंगे, और बुवाई पर प्रोत्साहन राशि भी दी जाएगी। हर विकासखंड में मिलेट प्रसंस्करण इकाई स्थापित करने की योजना भी है।

कीवी नीति इस वित्तीय वर्ष से शुरू हो गई है, जो अगले छह सालों तक लागू रहेगी, जिसमें 70 फीसदी राजसहायता दी जाएगी। 11 जिलों में तीन हजार पांच सौ हेक्टेयर भूमि पर खेती कर 17 हजार 500 किसानों को लाभ होगा।
ड्रैगन फ्रूट योजना अगले तीन वर्षों के लिये 7 जिलों में लागू होगी, जिसमें 228 एकड़ क्षेत्र में उत्पादन किया जाएगा। इस पर किसानों को 80 प्रतिशत सब्सिडी दी जाएगी।

मुख्यमंत्री सूक्ष्म खाद्य उद्यम उन्नयन योजना के तहत पर्वतीय क्षेत्रों की 780 खाद्य प्रसंस्करण इकाइयों को 5 लाख रुपये तक की अतिरिक्त सहायता मिलेगी।

वहीं, सेब की तुड़ाई उपरांत प्रबंधन योजना में 7 वर्षों में 22 नियंत्रिण वातावरण कोल्ड स्टोरेज और 180 सॉर्टिंग–ग्रेडिंग इकाइयां स्थापित होंगी, जिसके लिये किसान उत्पाद संगठन को 70 प्रतिशत और व्यक्तिगत किसानों को 50 फीसदी तक सब्सिडी मिलेगी।

अग्रिम दल रवाना

केदारनाथ धाम के कपाट खुलने से पहले, व्यवस्थाओं को अंतिम रूप देने के लिए बदरीनाथ–केदारनाथ मंदिर समिति का 18 सदस्यीय अग्रिम दल आज धाम के लिए रवाना हुआ।

यह दल, मंदिर परिसर में मरम्मत कार्य, विद्युत और जलापूर्ति व्यवस्था, रंग–रोगन, सौंदर्यीकरण, दर्शन पंक्ति में सुधार और रैन शेल्टर की व्यवस्था सुनिश्चित करेगा। इस दल में अभियंता, वर्क सुपरवाइजर, विद्युत कर्मी, प्लंबर, स्वयंसेवक, स्वच्छता कर्मी और श्रमिक शामिल हैं।

ओंकारेश्वर मंदिर उखीमठ से दल के प्रस्थान के समय वरिष्ठ प्रशासनिक अधिकारी यदुवीर पुष्पवान, पुजारी शिवशंकर लिंग सहित अन्य लोग उपस्थित रहे। गौरीकुंड पहुंचने पर प्रबंधक कैलाश बगवाड़ी ने दल का स्वागत किया, जिसके बाद दल ने माता गौरी मंदिर में दर्शन किए और पैदल मार्ग से केदारनाथ के लिए रवाना हुआ।

गौरतलब है कि इस वर्ष केदारनाथ धाम के कपाट 2 मई को खुलेंगे और भगवान केदारनाथ की पंचमुखी डोली 28 अप्रैल को उखीमठ से रवाना होकर पहली मई को धाम पहुंचेगी।

स्त्री एवं प्रसूति रोग विशेषज्ञ तैनाती

अल्मोड़ा जिले के रानीखेत स्थित गोविंद सिंह माहरा राजकीय चिकित्सालय में पहली बार स्त्री एवं प्रसूति रोग विशेषज्ञ की तैनाती की गई है। डॉ. कमल किशोर ने इस पद पर कार्यभार संभाल लिया है। अब गर्भवती महिलाओं को प्रसव और सिजेरियन ऑपरेशन के लिए निजी अस्पतालों या अन्य जगहों पर रेफर नहीं किया जाएगा।

डॉ. कमल किशोर ने बताया कि अब अस्पताल में सिजेरियन केस, यूट्रस संबंधी ऑपरेशन और अन्य जरूरी प्रसव सेवाएं उपलब्ध होंगी।

रानीखेत विधायक डॉ. प्रमोद नैनवाल ने कहा कि लंबे समय से अस्पताल में स्त्री रोग विशेषज्ञ की आवश्यकता महसूस की जा रही थी। उन्होंने बताया कि जल्द ही अस्पताल में नवजात गहन चिकित्सा इकाई भी शुरू की जाएगी, जिससे स्थानीय लोगों को और अधिक सुविधाएं मिल सकेंगी।

वक्फ संशोधन– मुख्यमंत्री प्रतिक्रिया

मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने वक्फ संशोधन अधिनियम 2025 को देश हित में लिया गया ऐतिहासिक फैसला बताया है। उन्होंने कहा कि पहले वक्फ से जुड़ी संपत्तियों पर कोई स्पष्ट कानून नहीं था और इन संपत्तियों को जब्त किया जा रहा था। यह नया कानून ऐसी गतिविधियों पर रोक लगाएगा।

मुख्यमंत्री ने बताया कि 2013 में वक्फ के पास 18 लाख एकड़ जमीन थी, जो 2025 तक बढ़कर 39 लाख एकड़ हो गई, लेकिन इन जमीनों का उपयोग गरीब, मुस्लिम, युवाओं या महिलाओं के लिए शिक्षण संस्थान खोलने में नहीं किया गया। मुख्यमंत्री ने कहा कि उत्तराखंड में भी वक्फ संपत्तियों की कड़ाई से जांच की जाएगी।